



वास्तु शास्त्र

घर में वास्तुदोष कम करने और शान्ति का वातावरण बनाए रखने के लिए, घर के मुख्य दरवाजे पर सिन्दूर या चांदी से नौ अंगुल लम्बा और नौ अंगुल चौड़ा स्वास्तिक बनवाएं।



वास्तु शास्त्र

अपने निवास या कार्यालय की तिजोरी या धन रखने की जगह को कभी भी इस प्रकार ना रखें कि वह दक्षिण दिशा की तरफ खुले, ऐसा होने से घर या व्यापार में अनावश्यक खर्च बनें रहेंगे और आर्थिक परेशानियां कभी खत्म नहीं होंगी।



वास्तु शास्त्र

घर का पूजा घर हमेशा भूतल (ground floor) पर ही बनवाना चाहिए, और प्रवेश द्वार पर दहलीज़ होनी चाहिये।
घर के तहखाने या किसी अन्य फ्लोर पर पूजा घर ना बनवाएं।



वास्तु शास्त्र

सप्ताह में एक बार घर में मिश्री युक्त खीर बना कर, परिवार के सभी सदस्यों के साथ इकट्ठा हो कर खाना चाहिए, इससे माँ लक्ष्मी प्रसन्न होती है।





वास्तु शास्त्र

सोते समय कभी भी अपना सिर उत्तर दिशा की तरफ और पैर दक्षिण दिशा की तरफ करके ना सोयें, यह मानसिक तनाव और निद्रा सम्बन्धी बीमारियों को बढ़ाने वाला माना गया है। इस प्रकार सोने से आप को हमेशा थकान और अनिद्रा का अनुभव होता रहेगा।



bhaktisarovar.in

वास्तु शास्त्र

अपने बच्चे की याददाश्त बढ़ाने के लिए उसके अध्ययन कक्ष में पीले रंग का उपयोग करें। ऐसा करने से बच्चों के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है तथा अधीरता और घबराहट से भी मुक्ति मिलती है।



वास्तु शास्त्र

जिस जगह बैठ कर आप काम करते हैं यदि उसके ठीक पीछे दिवार हो तो आपके सभी कार्यों में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलता रहेगा।



वास्तु शास्त्र

घर के मुख्य द्वार की दहलीज़ कभी भी खंडित नहीं होनी चाहिए, ऐसा होने से परिवार में समस्याएं बनी रहती हैं और नकारात्मक परिणाम सामने आते हैं।



ज्योतिषीय उपाय - काले धागे के उपाय

काला धागा पहनने से इंसान एक प्रकार की सुरक्षा का अनुभव करता है, यदि रात में डरवाने सपने आते हैं तो काले धागे को किसी पंडित से अभिमंत्रित करवाके उसे पहनें। इस से बुरे सपनों से बचाव होता है।




वास्तु शास्त्र

पश्चिम दिशा की तरफ पैर कर के सोने से मानसिक शान्ति मिलती है और आध्यात्मिक चेतना जाग्रत होती है, यदि आप उत्तर दिशा की तरफ पैर कर के सोते हैं तो यह समृद्धि और संपन्नता में बढ़ोत्तरी करने वाला माना गया है।



वास्तु शास्त्र

जिस भी मकान में भूमिगत पानी की टंकी आग्नेय दिशा में होती है, वहाँ परिवार के सदस्यों को निरंतर बीमारियां घेरे रहेंगी। भूमिगत पानी की टंकी को आग्नेय दिशा में नहीं बनवाना चाहिए।



वास्तु शास्त्र

छत पर कभी भी अनाज या बिस्तर ना धोएं, इससे
ससुराल पक्ष से सम्बन्ध खराब होने लगते हैं।




वास्तु शास्त्र

घर में कभी भी धातु से बने पलंग का प्रयोग नहीं करना चाहिए, ऐसा करने से अस्वस्थता एवं बेचैनी का अनुभव होना शुरू हो जाता है।



ज्योतिषीय उपाय - सुख-समृद्धि के उपाय

रात्रि में चावल, दही और सत्तू का सेवन करने से लक्ष्मी का निरादर होता है। अतः समृद्धि चाहने वालों को तथा जिन व्यक्तियों को आर्थिक कष्ट रहते हों, उन्हें इनका सेवन रात्रि भोज में नहीं करना चाहिये।



वास्तु शास्त्र

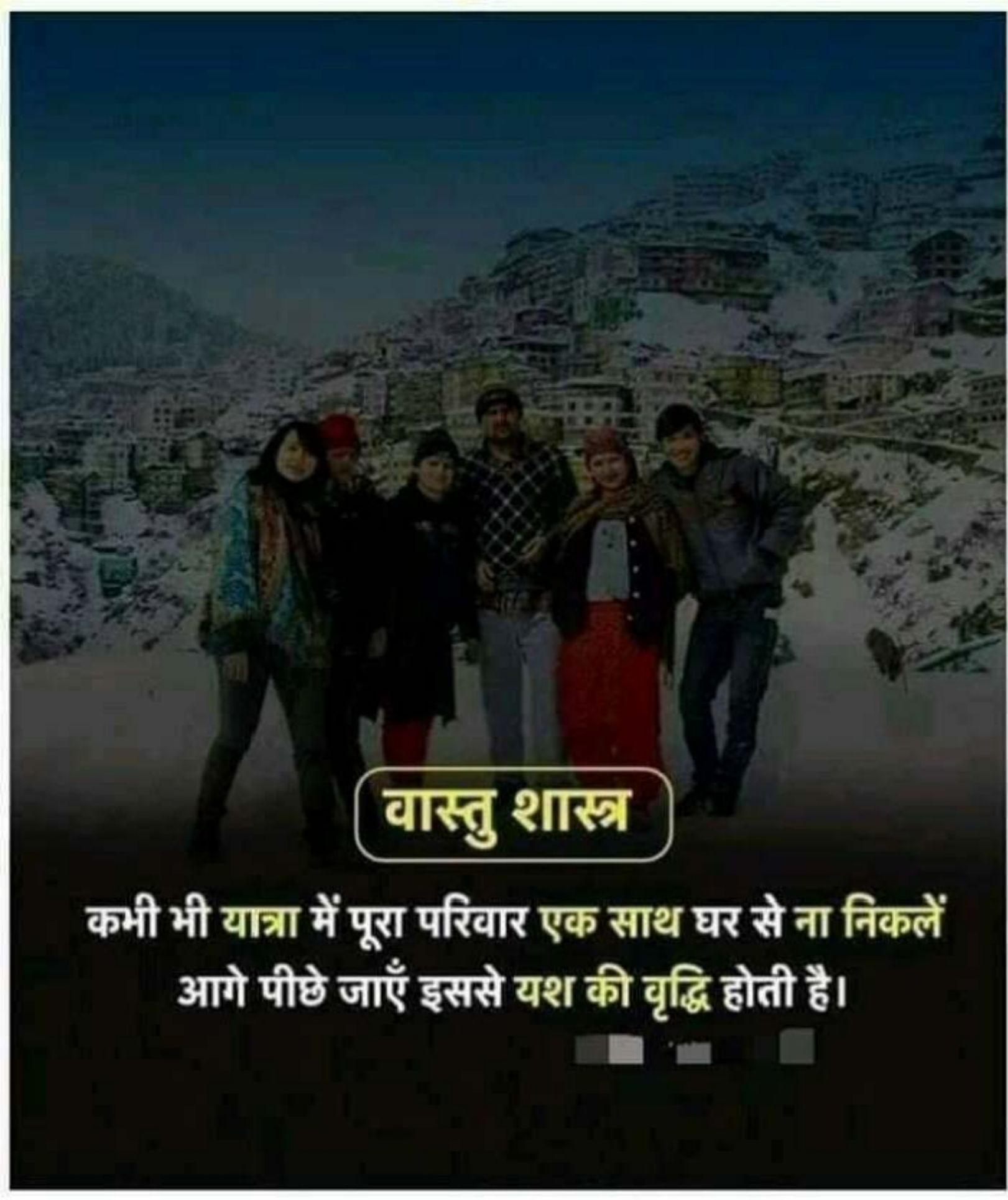
रात्री में सोने से पहले रसोई में पानी की बाल्टी भरकर रखें,
इससे कर्ज से शीघ्र मुक्ति मिलती है। साथ ही जीवन में
उन्नति के मार्ग में बाधाएं नहीं आती।





वास्तु शास्त्र

पूजा घर में देवी-देवताओं की मूर्तियों या चित्रों को हमेशा पूर्व या पश्चिम दिशा की तरफ ही रखना चाहिए, साथ ही पूजा घर की दीवारों का रंग सफ़ेद, हल्का पीला या हल्का नीला होना चाहिए।



वास्तु शास्त्र

कभी भी यात्रा में पूरा परिवार एक साथ घर से ना निकलें
आगे पीछे जाएँ इससे यश की वृद्धि होती है।





वास्तु शास्त्र

गर्भवस्था के दौरान पूरे घर में पीले चावलों का छिड़काव अवश्य करें, ज्योतिष में पीले चावल को मंगल का सूचक माना जाता है और ऐसा करने से बच्चे और मां दोनों पर नकारात्मक शक्तियों का असर नहीं हो पाता है।



ज्योतिषीय उपाय - काले धागे के उपाय

इंसान का शरीर पांच तत्वों से बना है, जब इंसान पर बुरी नजर लगती है तब उसके शरीर को उर्जा देने वाले ये तत्व काम नहीं करते हैं। जिससे इंसान के जीवन पर असर पड़ता है, ऐसे में काला धागा पहनने से पांचों तत्व पूरी तरह से काम करते हैं।



ज्योतिषीय उपाय - काले धागे के उपाय

काला धागा हाथ या गले में बांधने से नजर लगाने वाले इंसान की दृष्टि को भंग कर देता है, जिससे नजर का असर आपके ऊपर नहीं होता है। जो लोग गले या हाथ में काला धागा पहनते हैं उनके अंदर सकारात्मक उर्जा का प्रभाव होता है।